प्रबन्धन चर्चा एवं विश्लेषण रिपोर्ट

1. समष्टि आर्थिक परिदृश्य

1.1 सकल घरेलू उत्पाद

केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन के अग्रिम अनुमानों के अनुसार 2008-09 में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि 33,51,653 करोड़ रु. पर 7.1% रही जबकि वर्ष 2007-08 के दौरान यह 9.0% थी। सकल घरेलू उत्पाद में विभिन्न आर्थिक कार्यकलापों का सापेक्ष हिस्सा निम्नानुसार है : कृषि, वानिकी और मत्स्य पालन - 17.1%, खनन और उत्खनन - 1.9%, विनिर्माण - 14.8%, बिजली, गैस और जल-आपूर्ति -2.0%, निर्माण - 7.2%, व्यापार, होटल, परिवहन और संचार - 28.8%, वित्तीयन , बीमा, स्थावर संपदा और व्यापार सेवाएं - 14.8% और सामुदायिक, सामाजिक एवं निजी सेवाएं - 13.4%। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2008-09 के दौरान इन क्षेत्रों में अनुमानित वृद्धि क्रमषः 2.6%, 4.7%, 4.1%, 4.3%, 6.5%, 10.3%, 8.6% और 9.3% है।

1.2 औद्योगिक क्षेत्र

विष्व की कई अर्थव्यवस्थाओं में वैष्विक मंदी और गिरावट के कारण भारत में औद्योगिक कार्यकलापों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा, विषेष रूप से राजकोषीय वर्ष 2008-09 की दूसरी छमाही में; दिसम्बर, 2008 और फरवरी, 2009 के दौरान सामान्य सूचकांक में माह-दर-माह ऋणात्मक वृद्धि देखी गई। कुल मिलाकर अप्रैल–फरवरी, 2008-09 के लिए संचयी वृद्धि पिछले वर्ष की तदनुरूपी अवधि के मुकाबले 2.8% अधिक रही।

आलोच्य अवधि में इन क्षेत्रों में बेहतर वृद्धि हुई - मादक द्रव्य, तम्बाकू और संबंधित उत्पाद (14.7%), मषीनरी एवं परिवहन संयंत्रों से भिन्न संयंत्र (9.7%), मूल धातु एवं मिश्र धातु उद्योग (4.9%) और वस्त्र उत्पाद (परिधानों सहित), (4.5%)। इसी अवधि के दौरान, कुछेक क्षेत्रों में ऋणात्मक वृद्धि देखी गई, ये क्षेत्र हैं : जूट तथा अन्य वनस्पति रेषे वाले वस्त्र (कपास को छोड़कर) (-10.9%), लकड़ी तथा लकड़ी के उत्पाद : फर्नीचर एवं जुड़नार (-8.9%) और खाद्य उत्पाद (-6.2%)।

उपयोग आधारित वर्गीकरण के अनुसार अप्रैल - फरवरी, 2008-09 में पिछले वर्ष की तदनुरूपी अवधि के मुकाबले हुई अधिक क्षेत्रवार वृद्धि दर इस प्रकार है : मूल वस्तुओं में 2.7%, पूंजीगत वस्तुओं में 8.8% और मध्यवर्ती वस्तुओं में (-) 2.7%। इसी अवधि के दौरान, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं और उपभोक्ता गैर-टिकाऊ वस्तुओं में क्रमषः 4.1% और 5.1% की वृद्धि दर्ज की गई जबकि उपभोक्ता वस्तुओं में समग्र वृद्धि 4.9% रही।

1.3 कृषि

कृषि मंत्रालय के फरवरी, 2009 में जारी किए गए द्वितीय अग्रिम अनुमानों के अनुसार वर्ष 2008-09 में कुल खाद्यान्न उत्पादन 227.9 मिलियन टन है जो पिछले वर्ष के 230.8 मिलियन टन उत्पादन से कम है। रबी फसलों की अच्छी बुवाई की सूचना मिलने और सरकारी खरीद की प्रवृत्ति से, वर्ष 2008-09 के दौरान कृषि उत्पादन पहले अनुमान के मुकाबले में बेहतर होने की संभावना है।

Management Discussion and Analysis Report

1. Macro –Economic Scenario

1.1 Gross Domestic Product

According to the advance estimates of the Central Statistical Organization (CSO), the growth of real Gross Domestic Product (GDP) in 2008-09 is placed at 7.1% at Rs 33,51,653 crore as against a growth of 9.0% during 2007-08. Relative share of the various economic activities in GDP is as follows: Agriculture, forestry and fishing – 17.1%, mining and quarrying – 1.9%, Manufacturing – 14.8%, electricity, gas and water supply – 2.0%, construction – 7.2%, trade, hotels, transport and communication – 28.8%, financing, insurance, real estate and business services – 14.8% and community, social and personal services – 13.4%. Further, estimated growth during 2008-09 in these sectors are 2.6%, 4.7%, 4.1%, 4.3%, 6.5%, 10.3%, 8.6% and 9.3%, respectively.

1.2 Industrial Sector

On account of global slowdown and recession observed in several economies of the world, industrial activity in India has been adversely affected, more so in the second half of the fiscal 2008-09; the month-on-month growth in general index revealed a negative growth during December 2008 and February 2009. Overall, the cumulative growth for the period April-February 2008-09 stood at 2.8% over the corresponding period of the pervious year.

For the reference period, the sectors that showed better growth are: Beverages, Tobacco and Related Products (14.7%), Machinery and Equipment other than Transport equipment (9.7%), Basic Metal and Alloy Industries (4.9%) and Textile Products (including Wearing Apparel) (4.5%). During the same period, certain sectors that revealed negative growth, are: Jute and other vegetable fibre Textiles (except cotton) (-10.9%), Wood and Wood Products; Furniture and Fixtures (-8.9%) and Food Products (-6.2%).

As per use-based classification, the sectoral growth rates in April-February 2008-09 over the corresponding period previous year are 2.7% in Basic goods, 8.8% in Capital goods and (-)2.7% in Intermediate goods. During the same period, the Consumer durables and Consumer non-durables have recorded growth of 4.1% and 5.1% respectively, with the overall growth in Consumer goods being 4.9%.

1.3 Agriculture

The second advance estimates of the Ministry of Agriculture released in February 2009 have placed total foodgrains production in 2008-09 at 227.9 million tonnes, lower than the production of 230.8 million tonnes in the previous year. Subsequent information on good sowing for *rabi* crops and the trend in procurement suggests that agricultural production during 2008-09 may turn out to be better than earlier anticipated.

1.4 सेवा क्षेत्र

वर्ष 2008-09 के दौरान व्यापार, होटल, परिवहन और संचार क्षेत्रों के सकल घरेलू उत्पाद में 10.3% की वृद्धि होने का अनुमान है। अप्रैल-दिसम्बर, 2008-09 के दौरान वाणिज्यिक वाहनों के उत्पादन में (अप्रैल - दिसम्बर, 2007-08 में 4.8% की वृद्धि के मुकाबले) 15.5% की गिरावट देखी गई और नागर विमान में यात्रियों की संख्या में (अप्रैल -दिसम्बर, 2007-08 में 20.4% की वृद्धि के मुकाबले) 6.3% की कमी आई 'वित्तीयन, बीमा, स्थावर संपदा और व्यापार सेवाएं' क्षेत्र में 2008-09 के दौरान 8.6% की वृद्धि होने का अनुमान है। वर्ष 2008-09 के दौरान 'सामुदायिक, सामाजिक और निजी सेवाएं' की वृद्धि दर, प्रमुखतया केन्द्र सरकार के राजस्व व्यय में हुई 39.2% की वृद्धि के कारण, 9.3% रहने का अनुमान है।

1.4 Services Sector

The estimated growth in GDP for the trade, hotels, transport and communication sectors during 2008-09 is placed at 10.3 per cent. During April–December 2008-09, the production of commercial vehicles witnessed a fall of 15.5 per cent (against the growth of 4.8 per cent in April-December, 2007-08) and passengers handled in civil aviation decreased by 6.3 per cent (against the growth of 20.4 per cent in April-December, 2007-08). The sector, 'financing, insurance, real estate and business services', is expected to show a growth rate of 8.6 per cent during 2008-09. The growth rate of 'community, social and personal services' during 2008-09 is estimated to be 9.3 per cent, mainly on account of increase in the revenue expenditure of central government by 39.2 per cent.

1.5 विदेशी व्यापार

अप्रैल - मार्च, 2008-09 की अवधि के लिए निर्यात का संचयी मूल्य पिछले वर्ष की तदनुरुपी अवधि के दौरान 163132 मिलियन अमेरिकी डालर के मुकाबले 168704 मिलियन अमेरिकी डालर था जिससे पिछले वर्ष की इसी अवधि के मुकाबले डालर के अनुसार 3.4% की वृद्धि दर्ज की गई। जहां तक आयात का संबंध है, अप्रैल-मार्च, 2008-09 की अवधि के लिए इसका संचयी मूल्य पिछले वर्ष की इसी अवधि के 251654 मिलियन अमेरिकी डालर के मुकाबले 287759 मिलियन अमेरिकी डालर रहा और डालर के अनुसार इसमें पिछले वर्ष की इसी अवधि से 14.3% अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। इसके परिणामतः अप्रैल-मार्च, 2008-09 के लिए अनुमानित व्यापार घाटा 119055 मिलियन अमेरिकी डालर था जो अप्रैल-मार्च, 2007-08 के दौरान 88522 मिलियन अमेरिकी डालर के घाटे से अधिक था।

अप्रैल-मार्च, 2008-09 के दौरान, तेल आयात का मूल्य 93176 मिलियन अमेरिकी डालर पर आंका गया जो पिछले वर्ष की तदनुरुपी अवधि में 79715 मिलियन अमेरिकी डालर के तेल आयात से 16.9% अधिक था। अप्रैल-मार्च, 2008-09 के दौरान, गैर-तेल आयात का मूल्य 194584 मिलियन अमेरिकी डालर पर आंका गया जो अप्रैल-मार्च, 2007–08 में 171940 मिलियन अमेरिकी डालर के आयात से 13.2% अधिक था।

अप्रैल-दिसम्बर, 2008 की अवधि (पी) के लिए वस्तु - समूहवार विदेशी व्यापार कार्यनिष्पादन के विष्लेषण से पता चलता है कि इंजीनियरिंग की वस्तुओं का निर्यात में 23.52% (अधिकतम) योगदान रहा और इसमें पिछले वर्ष की तदनुरूपी अवधि के मुकाबले 30.93% की वृद्धि दर्ज की गई। आयात के मामले में, मोती, रत्नों एवं उपरत्नों का आयात कुल आयात का 4.57% रहा और इसी अवधि के दौरान इसमें 50.65% की वृद्धि हुई।

1.5 Foreign Trade

The cumulative value of exports for the period April-March 2008-09 was valued at US$ 168704 million as against US$ 163132 million during the corresponding period last year, thereby registering a growth of 3.4% in Dollar terms over the same period last year. As regards imports, the cumulative value for the period April- March, 2008-09 was US$ 287759 million as against US$ 251654 million registering a growth of 14.3 per cent in Dollar terms over the same period last year. As a result, the trade deficit for April- March, 2008-09 was estimated at US $ 119055 million which was higher than the deficit at US $ 88522 million during April- March, 2007-08.

Oil imports during April-March, 2008-09 were valued at US$ 93176 million which was 16.9 per cent higher than the oil imports of US$ 79715 million in the corresponding period last year. Non-oil imports during April- March, 2009 were valued at US$ 194584 million which was 13.2 per cent higher than the level of such imports valued at US$ 171940 million in April- March, 2007-08.

Commodity-Group wise Foreign Trade Performance Analysis for the period April-December 2008 (P) reveals that engineering goods contributed 23.52% (maximum) in exports and recorded a growth of 30.93% over the corresponding period of the previous year. In case of imports, pearls, precious & semi-precious stones accounted for 4.57% of total imports with a growth of 50.65% during the same period.

1.6 विदेशी मुद्रा आरक्षित निधि

कुल विदेशी मुद्रा आरक्षित निधि 1 मई, 2009 को 251702 मिलियन अमेरिकी डालर पर आंकी गई और इसमें मार्च, 2009 के अंत में 283 मिलियन डालर की गिरावट दर्ज की गई। कुल आरक्षित निधियों में से, विदेशी मुद्रा आस्तियां 241487 मिलियन अमेरिकी डालर रहीं तथा स्वर्ण आरक्षित निधियां 9231 मिलियन अमेरिकी डालर रहीं।

2009 के दौरान ईक्विटी क्षेत्र में विदेशी संस्थागत निवल निवेष 780.60 मिलियन अमेरिकी डालर रहे जबकि ऋण क्षेत्र में लगभग 537 मिलियन अमेरिकी डालर का निवल–विनिवेष हुआ।

1.6 Forex Reserves

Total foreign exchange reserves as on May 01, 2009 was valued at USD 251702 million and recorded a decline of 283 million over end-March 2009 level. Out of the total reserves, foreign currency assets were valued at USD 241487 million while gold reserves were valued at USD 9231 million.

During 2009, FII net investments in equity segment amounted to USD 780.60 million while there was net disinvestment in the debt segment to the tune of USD 537 million.

1.7 मूल्य प्रवृत्ति

राजकोषीय वर्ष 2008-09 की शुरूआत 05/04/2008 को 7.71% पर मुद्रा स्फीति अपेक्षाकृत ऊंची दर के साथ हुई इसमें वृद्धि जारी रही और यह जून-सितम्बर, 2008 के दौरान 11.6% -12.1% के बीच बनी रही। 02.08.2008 को मुद्रास्फीति 12.91% के उच्च स्तर तक पहुंच गई किंतु अक्तूबर, 2008 के बाद से कच्चे तेल और वस्तुओं के मूल्य में कमी होने के कारण मुद्रा स्फीति में धीरे-धीरे कमी होती गई।

25/04/2009 को समाप्त सप्ताह हेतु प्वाइंट-दर-प्वाइंट आधार पर परिकलित मुद्रास्फीति की वार्षिक दर (26.04.2008 के प्रति) 0.70% (पी) रही जो पिछले सप्ताह (18.04.2009 को समाप्त) 0.57% (पी) और पिछले वर्ष के तदनुरूपी सप्ताह (26.04.2008 को समाप्त) के दौरान 8.27% थी।

'प्राथमिक वस्तुओं' (22.02% के भार वाली) के सूचकांक में 0.2% की वृद्धि हुई और यह 253.2 (पी) से बढ़कर 253.7 (पी) हो गया। 'ईंधन, ऊर्जा, बिजली और लुब्रिकेंट' (भार 14.23%) 323 (पी) पर रहा और इसमें कोई परिवर्तन नहीं हुआ और 'विनिर्माण उत्पादों' (भार 63.75%) में 0.3% की वृद्धि हुई और यह पिछले सप्ताह के संबंधित आंकड़ों के मुकाबले 201.6 (पी) से बढ़कर 202.2 (पी) हो गए।

2. मुद्रा एवं बैंकिंग प्रवर्तियां

2.1 मुद्रा आपूर्ति

मुद्रा आपूर्ति (एम 3) में वर्ष 2007-08 में हुई 20.9 प्रतिषत (6,94,535 करोड़ रुपए) की वृद्धि तुलना में वर्ष 2008-09 में 18.4 प्रतिषत (7,40,332 करोड़ रुपए) की वृद्धि हुई। वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋणों में पिछले वर्ष की 20.9 प्रतिषत (4,45,503 करोड़ रु0) की वृद्धि की तुलना में वर्ष 2008-09 में 16.8 प्रतिषत (4,32,850 करोड़ रु0) की वृद्धि हुई। सरकार को निवल बैंक ऋण में 3,40,250 करोड़ रुपए (37.6%) की वृद्धि दर्ज की गई ।

2.2 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (एससीबी का कारोबार)

2.2.1 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की कुल जमाराशियां

अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की कुल जमाराषियों में पिछले वर्ष की 22.4 प्रतिशत की वृद्धि (5,85,006 करोड़ रु0) की तुलना में वर्ष 2008-09 में 19.8 प्रतिशत (6,33,382 करोड़ रुपए) की वृद्धि हुई जो 38,30,322 करोड़ रु0 के स्तर पर पहुंच गईं। मांग जमाराषियों में 2007-08 की 22.0 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2008-09 में -0.8 प्रतिशत के ऋणात्मक वृद्धि दर्ज की गई जबकि मीयादी जमाराषियों में पिछले वर्ष की 22.5 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में वर्ष 2008-09 में 23.9 प्रतिशत की उच्चतर वृद्धि हुई। 2008-09 के दौरान जमा संग्रहण के साथ–साथ नए पूंजी प्रपत्रों से बैंकिंग क्षेत्र के ऋण देने योग्य संसाधनों में पर्याप्त वृद्धि हुई।

2.2.2 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का बैंक ऋण

अनुसूचित वाणिज्य बैंकों द्वारा दिए गए गैर-खाद्यान्न ऋणों में पिछले वर्ष की 23.0 प्रतिशत (4,32,846 करोड़ रुपए) की तुलना में वर्ष 2008-09 में 17.5 प्रतिशत (4,06,287 करोड़ रुपए) की वृद्धि हुई जो 27,23,801 करोड़ रुपए रहे। बैंकिंग प्रणाली हेतु वृद्धिषील गैर-खाद्य ऋण-जमा अनुपात 2007-08 के 73.6 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2008-09 में 64.4 प्रतिशत रह गया। अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के खाद्यान्न ऋण में पिछले वर्ष हुई 2,121 करोड़ रुपए की कमी के मुकाबले वर्ष 2008-09 में 1,812 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई। फरवरी, 2009 तक उपलब्ध बैंक ऋण का क्षेत्रवार नियोजन में वर्ष दर वर्ष आधार पर

1.7 Price Trend

Fiscal 2008-09 started with somewhat high inflation at 7.71% on 05/04/2008, which continued its northward movement to hover in the range of 11.6% - 12.1% during June – September 2008. It touched a high level of 12.91% on 02.08.2008 but October 2008 onwards, there was a gradual lowering of the inflation mainly on account of softening of crude oil and commodity prices.

The annual rate of inflation, calculated on point to point basis, stood at 0.70 percent (P) for the week ended 25/04/2009 (over 26/04/2008) as compared to 0.57 percent (P) for the previous week (ended 18/04/2009) and 8.27 percent during the corresponding week (ended 26/04/2008) of the previous year.

The indices of 'Primary Articles' (having a weight of 22.02%) rose by 0.2 percent to 253.7 (P) from 253.2 (P), 'Fuel, Power, Light & Lubricants' (Weight 14.23%) remained unchanged at 323 (P), and that of 'Manufacturing Products' (Weight 63.75%) rose by 0.3 percent to 202.2 (P) from 201.6 (P) vis-à-vis the previous weeks' respective figures.

2. Monetary and Banking Trends

2.1 Money Supply

Money Supply (M3) increased by 18.4 percent (Rs.7,40,332 crore) in 2008-09 as compared with 20.9 percent (Rs.6,94,535 crore) in 2007-08. Bank credit to the commercial sector increased by 16.8 percent (Rs.4,32,850 crore) in 2008-09 as compared with increase of 20.9 percent (Rs. 4,45,503 crore) a year ago. Net bank credit to Government recorded an increase of Rs. 3,40,250 crore (a growth of 37.6%).

2.2 Scheduled Commercial Banks (SCBs Business)

2.2.1 Aggregate Deposits of Scheduled commercial Banks

Aggregate Deposits of SCBs increased by 19.8 percent (Rs.6,33,382 crore) during 2008-09 to reach a level of Rs 38,30,322 crore as compared with 22.4 percent (Rs.5,85,006 crore) in the previous year. Demand deposits recorded a negative growth during 2008-09 at -0.8 percent vis-à-vis 22.0 percent in 2007-08 while time deposits clocked a higher growth of 23.9 percent in 2008-09 as against 22.5 percent in the previous year. In addition to the mobilization of deposits, the banking sector's lendable resources were augmented innovative capital instruments during 2008-09.

2.2.2 Bank credit of scheduled Commercial banks

Growth in Non-food credit extended by the scheduled Commercial banks (SCBs) moderated to 17.5 percent (Rs.4,06,287 crores) in 2008-09 to a level of Rs 27,23,801 crore as compared with 23.0 percent (Rs.4,32,846 crores) in the previous year. The incremental non-food credit- deposits ratio for the banking system declined to 64.4 percent during 2008-09 from 73.6 percent in 2007-08. Food credit of SCBs increased by Rs. 1,812 crore in 2008-09 as against a decline of Rs. 2,121 crore in the previous year. The figures of sectoral deployment of

गैर बैंकिंग वित्त कंपनियों को दिए गए ऋणों में उच्चतम वृद्धि (48.6 प्रतिशत) दर्ज की गई और इसके बाद स्थावर संपदा में (26.7 प्रतिशत) और उद्योग में (25.9 प्रतिशत) पर रहे। कृषि और आवास ऋणों में क्रमषः 16.4% और 12.00% की वृद्धि हुई।

2.2.3 अनुसूचित वाणिज्य बैंकों का निवेश

2008-09 के दौरान अनुसूचित वाणिज्य बैंकों का कुल एसएलआर निवेष 11,65,746 करोड़ रु0 रहा अथवा 20.0% की वृद्धि हुई। उसमें से सरकारी बांडों तथा अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेष क्रमषः 11,48,168 करोड़ रु0 तथा 17,578 करोड़ रु0 रहा। मार्च, 2009 के अंत में अनुसूचित वाणिज्य बैंकों का निवेष-जमा अनुपात 30.43% रहा। अनुसूचित वाणिज्य बैंकों द्वारा पेपर/षेयर/डिबेंचर/बांड इत्यादि में निवेश के रुप में वाणिज्य क्षेत्र को दिया गया निभाव 1,04,121 करोड़ रु0 रहा। इसमें वर्ष दर वर्ष 8615 करोड़ रु0 की वृद्धि हुई अथवा मार्च, 2008 के 95,506 करोड़ रु0 के स्तर से 9% अधिक रहा।

3. जोखिम प्रबन्धन

बैंक में अपेक्षित जोखिम प्रबन्धन पद्धति लागू है और भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य नियामक निकायों से समय-समय पर प्राप्त दिषानिर्देषों के अनुसार इसकी आवधिक समीक्षा की जाती है और इसे अद्यतन किया जाता है। जोखिम प्रबन्धन पर निदेषकों की पर्यवेक्षी समिति (मंडल स्तरीय समिति) बैंक के जोखिम प्रबन्धन के समग्र कार्य देखती है। इसके अतिरिक्त कार्यपालक स्तरीय समितियां जैसे बाजार जोखिम हेतु आस्ति देयता प्रबंधन समिति (आल्को), ऋण जोखिम हेतु ऋण जोखिम प्रबंधन समिति और परिचालन जोखिम हेतु परिचालनपरक जोखिम प्रबंधन समिति का भी बैंक में गठन किया गया है जिनकी नियमित बैठकों में निरंतर आधार पर प्रगति की समीक्षा व मानीटरिंग की जाती है।

3.1 बासेल II का कार्यान्वयन

बैंक ने, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी पूंजी पर्याप्तता ढांचे के नए मार्गनिर्देषों के अनुसार 31.03.2009 को बासेल II अनुरूपता प्राप्त कर ली। 31.03.2009 को बैंक की सीआरएआर 9% की न्यूनतम विनियामक अपेक्षा के मुकाबले बासेल I के अंतर्गत 12.00% और बासेल II के अंतर्गत 12.98% रही। बैंक अब, भारतीय रिजर्व बैंक के मार्गनिर्देषों के अनुसार विभिन्न जोखिमों के तहत, आने वाले समय में उन्नत दृष्टिकोण अपनाने के लिए स्वयं को तैयार कर रहा है।

बैंक की ऋण जोखिम प्रबन्धन नीति तथा ऋण नीति के तहत स्पष्ट नीतियां, प्रक्रियाएं और विवेकपूर्ण सीमाएं तय की जाती हैं जिनमें वैयक्तिक उधारकर्ताओं/उधारकर्ता समूह को दिए जाने वाले वित्त का स्तर, उद्योगवार वित्त, संवेदनषील क्षेत्र को वित्त सीमाएं, मूल्य-नीतियां, ऋण देने की शर्तों, ऋण प्रदान करने के प्रमुख और प्रतिबंधित क्षेत्र आदि शामिल हैं। बैंक ने समन्वित जोखिम प्रबन्धन नीति भी लागू की है। वैज्ञानिक जोखिम आधारित आंतरिक लेखापरीक्षा (आरबीआईए) के जरिए शाखाओं के जोखिम प्रोफाइल हेतु जोखिम आधारित पर्यवेक्षण को सुदृढ़ बनाया गया है। ऋण पुनरीक्षा तंत्र, ऋण विभाग से अलग स्वतंत्र रूप से कार्य कर रहा है जबकि जोखिम प्रबंध विभाग, आवधिक आधार पर बैंक के बड़े ऋणों की समीक्षा और मानीटरिंग करता है। जोखिम प्रबंधन विभाग के स्टाफ की कुशलता बढ़ाने के लिए उन्हें आंतरिक एवं प्रतिष्ठित प्रषिक्षण संस्थाओं के माध्यम से प्रषिक्षण प्रदान किया गया।

bank credit available up to February 2009 indicates that, on year-on-year basis, credit to NBFCs recorded the highest growth (48.6 percent), followed by real estate (26.7 percent) and industry (25.9 percent). Agriculture and Housing grew by 16.4% and 12.0%, respectively.

2.2.3 Investments of Scheduled Commercial Banks

Total SLR investment of Scheduled Commercial Banks stood at Rs 11,65,746 crore or a growth of 20.0% during 2008-09. Out of this, investment in Government Bonds and other approved securities were to the tune of Rs 11,48,168 crore and Rs 17,578 crore, respectively. The Investment-Deposit ratio of the SCBs as at end March 2009 stood at 30.43%.
Accommodation provided by the SCBs to the commercial sector in the form of investment in Commercial Paper/Shares/Debentures/Bonds etc amounted to Rs 1,04,121 crore, a YoY increase of 8,615 crore or a growth of 9% over March 2008 level of Rs 95,506 crore.

3. RISK MANAGEMENT

The Bank has put in place requisite Risk Management Systems which are reviewed and updated periodically in the light of guidelines received from Reserve Bank of India and other regulatory bodies from time to time. The Supervisory Committee of Directors on Risk Management (Board Level Committee) oversees the overall Risk Management functioning of the Bank. Further, Executive level committees such as Asset Liability Management Committee (ALCO) for Market Risk, Credit Risk Management Committee for credit risk and Operational Risk Management Committee for operational risk have also been constituted in the Bank, which meet at regular intervals to supervise and monitor the progress on an ongoing basis.

3.1 Implementation of Basel II

The bank has become Basel II compliant as on 31.03.2009 in terms of the New Capital Adequacy Framework guidelines issued by the Reserve Bank of India. The bank's CRAR as on 31.03.2009 was 12.00% under Basel I and 12.98% under Basel II as against minimum regulatory requirement of 9%. The bank is now gearing itself to adopt the advanced approaches in due course of time under different risks as per RBI guidelines.

The credit risk management policy and loan policy of the bank articulate policies, processes and prudential limits covering exposure levels for individual borrowers / group exposure, industry wise exposure, limits on exposure to sensitive sectors, pricing policies, lending specifications, thrust and restricted areas of lending etc. The Bank has also put in place an integrated Risk Management policy. Risk Based Supervision (RBS) has been fine tuned for risk profiling of branches through a scientific risk based internal audit (RBIA) system. The Loan Review Mechanism is functioning independent of the Credit department and Risk Management Department reviews and monitors large credit exposures of the Bank on periodic basis. Training of the staff of risk management department for upgrading their skills is undertaken both internally as well as through reputed training institutions.

4. जोखिम आधारित आंतरिक लेखापरीक्षा

बैंक ने चरणबद्ध रूप से जोखिम आधारित आंतरिक लेखापरीक्षा (आरबीआईए) को कार्यान्वित किया है जिसे मार्च, 2004 में प्रारंभ किया गया था। जोखिम आधारित आंतरिक लेखा परीक्षा नीति और लेखापरीक्षा फार्मेट, भारतीय रिजर्व बैंक के संषोधित मार्गनिर्देषों के अनुरूप और बैंक द्वारा समय के साथ अर्जित अनुभव के अनुसार संषोधित किए गए हैं। बैंक ने 01.10.2006 से संषोधित नीति फार्मेट अपनाते हुए जोखिम आधारित आंतरिक लेखापरीक्षा को पूरी तरह अपना लिया है। बैंक जोखिम आधारित आंतरिक लेखापरीक्षा की नीति/फार्मेट को बैंकिंग उद्योग की नवीनतम पद्धतियों के अनुरूप अद्यतन और संषोधित कर रहा है। वर्ष 2008-09 के दौरान 1300 शाखाओं की जोखिम आधारित आंतरिक लेखापरीक्षा की गई।

5. आस्ति देयता प्रबंधन

बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक के मार्गनिर्देषों के अनुसार आस्ति देयता प्रबंधन समिति (आल्को) का गठन किया है जिसकी बैठकें ब्याज दर परिदृष्य, जमाराषियों/अग्रिमों का परिपक्वता प्रोफाइल, चलनिधि संबंधी स्थिति और निवल ब्याज मार्जिन का प्रबंधन इत्यादि की समीक्षा करने के लिए नियमित अंतरालों पर आयोजित की जाती हैं।

आस्ति देयता प्रबंधन नीति बाजार जोखिम एवं चल निधि जोखिम प्रबंधन हेतु पैरामीटर निर्धारित करती है। बाजार की नवीनतम परिस्थितियों के अनुरूप इस नीति का वार्षिक आधार पर पुनरीक्षण किया जाता है और निदेषक मंडल द्वारा इसे विधिवत् अनुमोदित किया जाता है। बैंक की आस्ति देयता प्रबंधन समिति (आल्को) चलनिधि और ब्याज जोखिम सीमाओं के निर्धारण और पुनरीक्षण, लाभप्रदता और सीआरएआर (पूंजी में जोखिम भारित आस्ति अनुपात) स्थिति की पुनरीक्षा, जमाराषियों/अग्रिमों पर ब्याज दरों की पुनरीक्षा, विभिन्न निर्धारित जोखिम सीमाओं का अनुपालन और बैंक के तुलन-पत्र पर बाह्य कारकों का प्रभाव तथा बाजार में वर्तमान चल निधि स्थिति के मद्देनज़र कारोबार नीति के निर्धारण द्वारा बाजार जोखिम का प्रबंध व पर्यवेक्षण करती है ताकि अभीष्टतम लाभ हो।

6. ऋण जोखिम प्रबंधन

ऋण जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया बैंक के समग्र जोखिम प्रबंधन का एक अनिवार्य अंग है जो ऋण जोखिम को सतत आधार पर मानीटर करता है। जोखिम के केन्द्रीकरण का नियमन, ऋण वित्त सीमाओं के निर्धारण, निगरानी एवं समीक्षा द्वारा किया जाता है जो एकल उधारकर्ता वित्त, समूह वित्त, संवेदनषील क्षेत्र को ऋण (स्थावर संपदा और पूंजी बाजार सहित), ऋण के प्रमुख, सीमित एवं प्रतिबंधित क्षेत्र निर्धारित करने, उद्योग वित्त, पर्याप्त वित्त एवं अंतर-बैंक ऋण पर निर्भर करता है। निरंतर आधार पर उद्योग अध्ययन किए जाते हैं। बैंक ने 'ऋण जोखिम प्रबंधन समिति' का गठन किया है जो आवधिक अंतरालों पर ऋण प्रषासन संबंधी नीतियों, प्रक्रियाओं एवं पद्धतियों की समीक्षा और निगरानी करती है।

इससे पूर्व, बैंक बड़े कारपोरेट, लघु एवं मध्यम उद्यम (एसएमई), रिटेल ऋण योजनाओं से संबंधित ऋण उधारकर्ताओं के मूल्यांकन के लिए राष्ट्रीय बैंक प्रबंधन संस्थान द्वारा विकसित माडलों का प्रयोग कर रहा था। हमारे जोखिम प्रबंधन परामर्षदाता मैसर्स आई मैक्स की सहायता से बैंक ने विभिन्न श्रेणियों के उधार खातों के मूल्यांकन के लिए अधिक व्यापक ऋण मॉडल अपनाए हैं।

4. RISK BASED INTERNAL AUDIT

The Bank Implemented Risk Based Internal Audit (RBIA) in a phased manner, which was started in March 2004. The Risk Based Internal Audit Policy and the Audit format(s) have been revised in sync with the revised guidelines of RBI and experience gained by the Bank in due course. The Bank has fully migrated to Risk Based Internal Audit w.e.f. 01.10.2006 on the revised policy format(s). The Bank is in the process of further fine tuning of policy/format of RBIA to be in line with latest in the Banking Industry. Risk Based Internal Audit (RBIA) of 1300 Branches was conducted during the year 2008-09.

5. ASSET LIABILITY MANAGEMENT

The bank has constituted the Asset Liability Management Committee (ALCO) in terms of RBI guidelines, which meets at regular intervals to review the interest rates scenarios, maturity profile of deposits / advances, liquidity position and management of Net Interest Margin etc.

The ALM policy sets out the parameters for Market Risk and Liquidity Risk Management. This policy is reviewed annually in line with the latest market conditions and is duly approved by the Board of Directors. The committee on Asset Liability Management of the bank (ALCO) manages and supervises the Market Risk by setting and reviewing liquidity and interest risk limits, reviewing the profitability and CRAR (Capital to Risk weighted Assets Ratio) position, reviewing of the rates of interest on deposit/advances, adherence to various risk limits fixed and impact of external factors on the Bank's Balance Sheet and determining business strategy in the light of prevailing liquidity position in the market with a view to optimizing profits.

6. CREDIT RISK MANAGEMENT

The credit Risk Management Process forms an integral part of overall Risk Management of the bank, monitors the credit risk on continuous basis. The concentration of risks is regulated through fixing, monitoring and reviewing of the credit exposure limits in terms of single borrower exposure, Group exposure, exposure to sensitive sectors (including real estate and capital market), laying down thrust, restricted and prohibited areas of lending, industry exposure, Substantial exposure and inter-bank exposure. Industry studies are conducted on an on-going basis. The bank has constituted Credit Risk Management Committee (CRMC) which reviews the policies, procedures and systems relating to credit administration and monitoring at periodic intervals.

Earlier, the bank was using models developed by NIBM for rating of credit borrowers belonging to Large Corporate, Small and Medium Enterprise (SME), Retail Lending Schemes. With the help of our Risk Management consultants, M/S IMaCS, the bank has put in place more robust credit rating models for rating of various categories of borrowal accounts.

7. परिचालनपरक जोखिम प्रबंधन

बैंक ने परिचालन जोखिम प्रबंधन समिति का गठन किया है जो परिचालन जोखिम संबंधी मामलों की समीक्षा करने के लिए नियमित आधार पर बैठकें करती हैं। बैंक की परिचालन प्रबन्धन नीति में, बैंक में परिचालन जोखिम के मापन, निगरानी और नियंत्रण की संरचना व रूपरेखा दी गई है। जोखिम क्षेत्रों के आकलन के लिए हानि के मामले और महत्वपूर्ण जोखिम संकेतकों से संबंधित आंकड़े/सूचना समेकित की जा रही है। बैंक ने भारतीय बैंक संघ द्वारा शुरू की गई 'ऋण एवं परिचालन जोखिम हानि डाटा विनिमय (कोरडेक्स) नामक बाह्य डाटा समूहन कम्पनी' में भी भाग लिया है। बैंक जोखिम की संभावना वाले क्षेत्रों की पहचान करने और पद्धतियों एवं प्रक्रियाओं को युक्तिसंगत बनाकर/इनकी समीक्षा करके तथा प्रषिक्षण प्रदान करके इसके लिए उपयुक्त उपचारी कदम उठाने पर जोर दे रहा है ताकि ऐसी घटनाओं से बचा जा सके। इस संबंध में, भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक से समय-समय पर प्राप्त मार्गनिर्देषों को नीति/मैनुअल में शामिल किया गया है।

8. औद्योगिक संबंध

बैंक में पूरे वर्ष औद्योगिक संबंध मधुर तथा सौहार्दपूर्ण बने रहे। पिछली पद्धति के अनुसार, बैंक सहभागिता प्रबंधन के सिद्धांत पर कायम रहा। कर्मकार यूनियन, अधिकारी एसोसिएषन तथा प्रबंध वर्ग इस संस्था की चहुंमुखी प्रगति तथा विकास के लिए एक साथ मिलकर कार्य करते रहे। इन मधुर एवं सौहार्दपूर्ण औद्योगिक संबंधों के कारण ही, बैंक पिछले कई वर्षों से निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। बैंक की षिकायत निवारण प्रणाली पर्याप्त प्रभावपूर्ण है। कर्मचारियों की षिकायतें, यदि कोई हैं, नियमित रूप से आयोजित होने वाली औद्योगिक संबंध बैठकों में परस्पर व द्विपक्षीय बातचीत द्वारा तत्काल दूर की जाती हैं।

9. आंतरिक नियंत्रण पद्धति

बैंक ने शाखाओं के कार्य की निगरानी करने के लिए विभिन्न स्थानों पर 12 प्रादेषिक निरीक्षण कार्यालय स्थापित किए हैं जिससे अपेक्षित सुधार लाने के लिए आंतरिक नियंत्रण पद्धति को मजबूत किया जा सके और तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के लिए उच्च प्रबंध वर्ग को समय पर फीडबैक दिया जा सके। आंतरिक निरीक्षकों द्वारा हर वर्ष शाखाओं की जोखिम आधारित आंतरिक लेखापरीक्षा (आरबीआईए) की जाती है। कैलेंडर वर्ष 2008 हेतु सनदी लेखाकारों से सभी शाखाओं (संगामी लेखापरीक्षा के अधीन शाखाओं के अतिरिक्त) की आय एवं व्यय लेखापरीक्षा भी करवाई गई। भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देषों के अनुरूप प्रतिष्ठित सनदी लेखाकारों द्वारा शाखाओं की संगामी लेखापरीक्षा भी की जा रही है जिसमें 30.09.2008 की स्थिति के अनुसार बैंक की 59% जमाराषियां और 81% अग्रिम और कुल कारोबार का 68% कारोबार कवर किया गया है। 31.03.2009 को 288 शाखाओं, जिनमें विषेषीकृत शाखाएं, सेवा शाखाएं और प्रधान कार्यालय के कुछ विभाग शामिल हैं, की संगामी लेखापरीक्षा के अध्यधीन है।

9.1 ऋण पुनरीक्षा तंत्र

बैंक में वर्ष 2004 में लागू किया गया ऋण पुनरीक्षा तंत्र (एलआरएम), ऋणों की गुणवत्ता का निरंतर मूल्यांकन करने और ऋण प्रषासन में गुणात्मक सुधार लाने का महत्वपूर्ण साधन सिद्ध हुआ है। ऋण पुनरीक्षा दल द्वारा शाखा प्रबन्धकों के साथ पुनरीक्षा के निष्कर्षों पर चर्चा की जाती है तथा सभी कमियों को निर्धारित

7. OPERATIONAL RISK MANAGEMENT

The bank has established an Operational Risk Management Committee (ORMC) which meets on regular basis to review the matters related to operational risk. The Operational Risk Management Policy of the bank outlines the structure and framework for measuring, monitoring and controlling operational risk in the bank. The data/ information relating to loss events and key risk indicators are being compiled for assessing risk areas. The Bank has also joined External Data Pooling company named as Credit and Operational Risk Loss Data Exchange (CORDEX) initiated by IBA. The Bank lays due emphasis on identifying risk prone areas and taking suitable remedial steps by streamlining / reviewing systems and procedures, imparting training so as to guard against such incidents. In this respect, guidelines received from Government of India and Reserve Bank of India are also kept in view while making any change in the policy / manual.

8. INDUSTRIAL RELATIONS

Industrial Relations in the Bank continued to remain cordial and harmonious throughout the year. As per past practice, the Bank continued to pursue the principle of Participative Management. The Workmen Union, Officers Association and the Management kept on working together for the all-round prosperity and growth of the organization. As a result of cordial and harmonious industrial relations, the Bank has been able to show improved performance year after year. The grievance redressal mechanism in the Bank is quite effective. The grievances of the employees, if any, are promptly resolved through mutual and bilateral discussions in the regularly held industrial relations meetings.

9. INTERNAL CONTROL SYSTEM

The Bank has 12 Regional Inspectorates at different locations to oversee the working of Branches and to ensure that the internal control systems are strengthened to bring the desired improvement and give timely feedback to the Top Management to take immediate corrective steps. Risk Based Internal Audit (RBIA) of Branches is conducted every year by internal inspectors. The Income Expenditure Audit of all the Branches (other than branches under Concurrent Audit) was also got conducted from Chartered Accountants for calendar year 2008. In conformity with RBI directives, Concurrent Audit of the Branches is also being conducted by reputed Chartered Accountants covering 59 % of the Deposit and 81 % of Advances and 68 % as per total working as on 30.09.2008. A total number of 288 branches including specialized branches, Service Branches and certain select Departments of Head office are under Concurrent Audit as on 31.03.2009.

9.1 Loan Review Mechanism

Loan Review Mechanism (LRM), which was started in our Bank in the year 2004, has proved to be an effective tool for constantly evaluating the quality of loan book and to bring about qualitative improvement in credit administration. The findings of the review are discussed by the loan review team with the Branch Managers

समय में दूर करने के लिए तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जाती है। वित्तीय वर्ष 2008-09 के दौरान ऋण पुनरीक्षा दलों द्वारा 106 षाखाओं के 30481.46 करोड़ रुपए के कुल 490 बड़े उधार खातों की पुनरीक्षा की गई।

10. सतर्कता तन्त्र

बैंक का सतर्कता तंत्र महाप्रबन्धक ओहदे के मुख्य सतर्कता अधिकारी की सर्वोपरि देखरेख में कार्य कर रहा है और इसमें प्रधान कार्यालय में एक पूरा विभाग तथा फील्ड (कुछ चयनित प्रादेषिक कार्यालयों में) में कार्यरत 16 सतर्कता अधिकारी मुख्य सतर्कता अधिकारी के प्रत्यक्ष नियंत्रण में कार्यरत हैं।

केन्द्रीय सतर्कता आयोग के मार्गनिर्देषों के अनुसार, बैंक सतर्कता के सभी क्षेत्रों अर्थात् निवारक,खोजपूर्ण व दण्डात्मक सतर्कता में पर्याप्त सुधार लाने के लिए उपाय कर रहा है। निवारक सतर्कता के उपाय के तौर पर, सतर्कता अधिकारी शाखाओं का आकस्मिक निरीक्षण करते हैं जो मुख्यत: धोखाधड़ी-उन्मुख क्षेत्रों पर विषेष ध्यान देते हुए पद्धति व प्रक्रिया के पालन के संबंध में किया जाता है। इस संबंध में व्यतिक्रमण, समय पर सुधारात्मक कार्यवाही करने के लिए संबंधित प्राधिकारियों की जानकारी में लाए जाते हैं। वर्ष 2008-09 के दौरान, 858 शाखाओं तथा विस्तार पटलों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया।

स्टाफ को अधिक सतर्क बनाने और सतर्कता कार्यों में उनकी सहभागिता सुनिष्चित करने की दृष्टि से 15 कर्मचारियों से अधिक की शाखाओं में तथा विषेषीकृत शाखाओं में सतर्कता समितियां गठित की गई हैं। इसी प्रकार, प्रादेषिक कार्यालयों में प्रादेषिक सतर्कता समितियां गठित हैं जो शाखा स्तरीय सतर्कता समिति की बैठकों की कार्यवाही पर विचार-विमर्ष करती हैं तथा इनके कार्यचालन की समीक्षा करती है। प्रधान कार्यालय का सतर्कता विभाग प्रादेषिक अध्यक्षों व फील्ड में तैनात सतर्कता अधिकारियों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर इन समितियों के कार्य की समीक्षा करता है।

केन्द्रीय सतर्कता आयोग के दिषानिर्देषों के अनुरूप, बैंक के सभी कार्यालयों में 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' मनाया गया जिसमें बैंक के सभी कार्यालयों में दक्षता एवं लोक व्यय में पारदर्षिता लाने, बैंक द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं के प्रयोगकर्ताओं में जागरूकता उत्पन्न करने, पद्धति एवं प्रक्रिया में सुधार हेतु किए गए उपाय और उनकी षिकायतों के निपटान के लिए उपलब्ध साधनों पर विषेष जोर दिया गया, तदनुसार ग्राहकों को बैंक द्वारा दी जा रही सेवाओं और उत्पादों की सूचना दी गई और 'ग्राहकों के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता संहिता' उपलब्ध कराई गई। 'जनहित प्रकटन और सूचनादाता की सुरक्षा' के तहत षिकायत करने की प्रक्रिया का प्रचार इस तथ्य को बताते हुए किया गया कि शिकायतकर्ता की पहचान गुप्त रखी जाती है और शिकायतकर्ता को उत्पीड़न से सुरक्षित रखा जाता है।

सतर्कता अधिकारियों के जांच कौषल को बढ़ाने के लिए उन्हें प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा आयोजित विभिन्न प्रषिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिनियुक्त किया गया। सीबीएस परिवेष में सतर्कता अधिकारियों की जानकारी को अद्यतन रखने के लिए मानव संसाधन विकास विभाग और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के समन्वय से एक इन-हाउस प्रषिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। सतर्कता विभाग, केन्द्रीय सतर्कता आयोग और केन्द्रीय जांच ब्यूरो से सम्पर्क बनाए हुए

and corrective action for all deficiencies is initiated immediately to rectify them within the stipulated time period. During the financial year 2008-09, the LRM teams conducted review of 490 Large Borrowal accounts with a total exposure amounting to Rs. 30481.46 crore covering 106 branches.

10. VIGILANCE MACHINERY

The Vigilance set up of the Bank is under the overall supervision of the Chief Vigilance Officer of the rank of General Manager and comprises full-fledged department at Head Office and 16 Vigilance Officers posted in the field (at selected Regional Headquarters) functioning directly under the control of the Chief Vigilance Officer.

As per guidelines of Central Vigilance Commission, the Bank is taking measures for substantial improvement in all areas of vigilance i.e. preventive, detective and punitive. As a preventive vigilance measure, the Vigilance Officers conduct Surprise Inspection of branches mainly directed towards adherence to Systems & Procedure with special focus on fraud prone areas. The deviations observed are brought to the notice of the concerned authorities for taking corrective measures in time. During the year 2008-09, Surprise Inspection of 858 branches and extension counters was conducted.

In order to make the staff more vigilant and ensure their participation in the vigilance functions, Vigilance Committees have been formed at branches having more than 15 employees and at specialised branches. Similarly, Regional Vigilance Committees have been constituted at Regional Offices to deliberate on the observations of branch level Vigilance Committee meetings and review their functioning. The Vigilance Department at Head Office oversees the functioning of these committees through feedback received from the Regional Heads and the Vigilance Officers posted in the field.

As per the directions of Central Vigilance Commission, 'Vigilance Awareness Week' was observed at all the offices of the Bank with special focus on efficiency and transparency in public spending and to raise awareness among the users of the services provided by the Bank, initiatives taken for improvement of the systems and procedure and avenues available to them for redressal of their grievances. Accordingly, the customers were informed of the products and the services provided by the Bank, and code of 'Bank's Commitment to Customers'. The procedure for making complaints under 'Public interest Disclosure and Protection of Informers' was publicised highlighting the fact that the identity of the complainants is kept secret and the complainant is protected from victimisation.

With a view to improve the investigating skills of the Vigilance officers, they were exposed to various training programmes organised by reputed institutions. An in-house training programme was also organised in co-ordination with HRD Department and Department of Information Technology to update the knowledge of the Vigilance functionaries in the CBS environment. The Vigilance Department maintains liaison with Central Vigilance Commission and Central Bureau of

है और बैंक के अंदर भी विभिन्न विभागों से प्रभावषाली ढंग से समन्वय बनाए हुए है ताकि सतर्कता प्रषासन की दक्षता सुनिष्चित की जा सके।

11. पद्धतियां एवं प्रक्रियाएं

वर्तमान पद्धतियों एवं प्रक्रियाओं की समीक्षा बैंक के कार्यचालन का एक अभिन्न अंग है। तेजी से बदलते बैंकिंग परिदृष्य और ब्रिक एण्ड मोरटार माडल से क्लिक बैंकिंग माडल में हुए आंषिक परिवर्तन से हमारी कार्य पद्धति में काफी बदलाव लाने की जरूरत हो गई है। इसके अतिरिक्त, 100% केन्द्रीकृत बैंकिंग समाधान अपनाने से वर्तमान पद्धति एवं प्रक्रियाओं की निरंतर समीक्षा करने की आवष्यकता है। इसके अतिरिक्त, उन्नत प्रौद्योगिकी के आने से बैंकों द्वारा नए उत्पाद/सेवाएं प्रस्तुत की जा रही हैं। संगठन एवं पद्धति कक्ष ने, बैंक द्वारा 31.03.2008 तक जारी मार्गनिर्देषों के आधार पर नेमी बैंकिंग कार्यों का मैनुअल अद्यतन कर दिया है। अग्रिम मैनुअल भी अद्यतन कर दिए गए हैं और ये दोनों मैनुअल स्टाफ के मार्गदर्षन हेतु बैंक की आंतरिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराए गए हैं। यह कक्ष बैंक की वेबसाइट पर प्राप्त शंकाओं व सुझावों को भी मानीटर कर रहा है। इस कक्ष द्वारा इस प्रकार प्राप्त शंकाओं का तत्काल उत्तर दिया जाता है व बैंक के ग्राहकों की समस्याओं का तत्काल समाधान करना सुनिष्चित किया जाता है।

12. सूचना प्रौद्योगिकी

12.1 कोर बैंकिंग समाधान (सीबीएस) और वाइड एरिया नेटवर्क

हमारा बैंक, ऐसे चुनिंदा सर्वप्रथम बैंकों में से है जो अपना 100% बैंकिंग कार्य सीबीएस के माध्यम से करते हुए अपने ग्राहकों को अत्याधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी आधारित उत्पाद और सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं जिसमें बैंक की सभी शाखाओं और विस्तार पटलों पर इलेक्ट्रानिक डिलीवरी चैनलों की सुविधाएं भी शामिल हैं। बैंक ने आलोच्य वर्ष के दौरान सीबीएस पैकेज का नया उन्नत वर्ज़न सफलतापूर्वक अपनाया जिससे कार्यचालन में सुधार हुआ और आरटीजीएस व एनईएफटी सेवाओं के लिए प्रत्यक्ष प्रोसेसिंग की सुविधा प्रदान की गई।

सीबीएस साफ्टवेयर का कस्टमाइजेषन किया गया जिससे कई सांविधिक व सांख्यिकी विवरणियां सृजित की जा सकती हैं जिसके परिणामतः कारपोरेट स्तर पर तत्क्षण सही सूचना निकाली जा सकती है । ग्राहक डाटा की शुद्धता और पूर्णता पर मुख्यतः जोर दिया गया और बड़ी संख्या में विवरणियां और सांख्यिकीय विवरण सीबीएस के माध्यम से ही निकाले जा रहे हैं।

ग्राहकों को अबाध सेवाएं देने हेतु बैंक की प्रतिबद्धता को मजबूत बनाने के लिए, बैंक ने लीज्ड लाइन और उच्च स्तरीय अपटाइम के साथ वीसैट का प्रयोग करते हुए सषक्त कारपोरेट नेटवर्क बनाया है। आलोच्य वर्ष के दौरान, 29 एग्रिगेषन प्वाइंट्स में से प्रत्येक पर अतिरिक्त राउटर्स जोड़कर वाइड एरिया नेटवर्क को सुदृढ़ बनाया गया जिससे प्रादेषिक कार्यालयों में एक भी सिस्टम फेल न हो और सम्पूर्ण नेटवर्क की सर्वोच्च अबाध कार्यकुषलता सुनिष्चित की जा सके।

12.2 आपदा वसूली सेट-अप

बैंक ने आईडीसी-II, डीएकेसी, वाषी, न्यू मुम्बई पर प्राइमरी डाटा केन्द्र, अपने आईडीसी-I पर नीयर लाइन साइट और ग्रेटर कैलाष, नई दिल्ली में डिज़ास्टर रिकवरी साइट के जरिए त्रिआयामी डीआर ढांचा स्थापित किया है ताकि सीबीएस के लिए शून्य डाटा हानि सुनिष्चित की जा सके।

प्राइमरी डाटा सेन्टर से डाटा की नीयर लाइन साइट में अनुकृति निरंतर साथ-साथ होती रहती है और नीयर लाइन साइट से डीआरएस में प्रतिलिपि होती है।

Investigation and also co-ordinates with various departments within the Bank to ensure efficacy of vigilance administration.

11. SYSTEMS & PROCEDURES

The review of existing systems & procedures is an integral part of Bank's functioning. Fast changing banking scene and partial shift of banking from brick & mortar model to click banking has necessitated many changes in the way we work. More over, with the 100% migration to CBS platform the existing systems & procedures need constant review. Further, with advancement of technology new products/services are being offered by the banks. The O&M cell has updated the Manual for routine banking operations based on the guidelines issued by the bank upto 31.03.2008. The advances manuals have also been updated and both these manuals have been hosted on the internal website of the bank for guidance of the staff. The cell is also monitoring the Query & Suggestions received from the constituents on the website of the bank. The cell gives prompt response to the queries received and ensures providing of instant solutions to the problems faced by the customers of the Bank.

12. INFORMATION TECHNOLOGY

12.1 Core Banking Solution (CBS) and Wide Area Network

Our Bank is one of the first few Banks to transact 100% banking operations through CBS enabling its customers to avail state of the art IT based Products and Services including the facilities of Electronic Delivery Channels at all the Branches and Extension Counters of the Bank. The Bank has successfully upgraded to new version of CBS package during the year under reference, thereby improving the functionality and facilitating Straight Through Processing for RTGS and NEFT services.

The CBS software has been customized to generate large number of Statutory and Statistical Returns thereby ensuring correct generation of the information at corporate level on instantaneous basis. The major emphasis has been put on correction and completeness of customer data and large number of statements and statistical returns are being generated through CBS only.

To strengthen the Bank's commitment towards uninterrupted service to its customers, it has built a robust Corporate Network using Leased lines and VSATs with highest level uptime. During the year under reference, Wide Area Network (WAN) has been strengthened by adding additional routers at each of 29 Aggregation Points so as to avoid single point of failure at ROs, thereby ensuring highest uptime of the entire network.

12.2 DR Setup

Bank has implemented 3-way DR architecture through Primary Data Centre at IDC-II, DAKC,Vashi, New Mumbai, Near Line Site at its IDC-I and Disaster Recovery Site at Greater Kailash, New Delhi for Zero Data Loss for CBS.

The data is synchronously replicated from PDC to NLS and is asynchronously replicated from NLS to DRS. This ensures that

इससे यह सुनिष्चित होता है कि प्राइमरी डाटा सेन्टर में बड़ी खराबी होने पर सीबीएस का संपूर्ण डाटा यथासंभव न्यूनतम समय में डीआरएस में उपलब्ध कराया जा सकता है।

12.3 एटीएम

वित्तीय वर्ष के दौरान, बैंक ने 104 अतिरिक्त एटीएम लगाए जिनमें दिल्ली के मेट्रो स्टेषनों पर 14 एटीएम और श्रीगंगानगर, अहमदाबाद, दिल्ली, नई दिल्ली, देहरादून और जालंधर में लगाए गए 6 मोबाइल एटीएम शामिल हैं। देहरादून और चेन्नई क्षेत्र में एक-एक कुल दो बायोमीट्रिक एटीएम चालू कर दिए गए हैं। इस प्रकार मार्च, 2009 को बैंक के एटीएम नेटवर्क में 845 एटीएम हैं जिसमें 576 आनसाइट एटीएम, 263 ऑफ साइट एटीएम और 6 मोबाइल एटीएम हैं। तथापि, मित्र, एनएफएस और वीजा की कनेक्टिविटी होने से बैंक के एटीएम कार्ड, देष भर में लगे 34000 से भी अधिक एटीएम पर स्वीकार किए जाते हैं। पूरे बैंक में लगभग 53% योग्य नकद संव्यवहार एटीएम के जरिए किए जा रहे हैं । खाता खोलते समय ही ग्राहकों को तत्काल एटीएम कार्ड जारी करने के लिए, वर्ष के दौरान 'वेलकम किट' पद्धति लागू की गई जिसमें ग्राहकों को खाता खोलते समय तत्काल एटीएम कार्ड, एटीएम पिन और इंटर नेट बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। आलोच्य वर्ष के दौरान एटीएम कार्यों की निरंतरता सुनिष्चित करने के लिए डीआर साइट, नई दिल्ली में एटीएम स्विच के लिए डीआर सेटअप शुरू किया गया।

12.4 इंटरनेट बैंकिंग

आलोच्य वर्ष के दौरान बैंक ने रिटेल इंटरनेट बैंकिंग का उच्चतर वर्जन अपनाया जिससे ऑनलाइन एनईएफटी और आरटीजीएस, ई-कॉमर्स, शेयरों की ऑनलाइन ट्रेडिंग इत्यादि जैसी अतिरिक्त सुविधाएं प्रदान की गईं। इस वर्ष रिटेल ग्राहकों हेतु बैंक के इंटरनेट बैंकिंग पर दैनिक हिट्स की संख्या में 79% की वृद्धि हुई। वित्तीय वर्ष के दौरान इंटरनेट बैंकिंग के लिए 44000 नए ग्राहक पंजीकृत किए गए जिससे कुल ग्राहक आधार 1.98 लाख हो गया। ग्राहकों को नेट-बैंकिंग के जरिए प्रत्यक्ष कर ऑनलाइन जमा करने के लिए ई–टैक्स की सुविधा भी दी गई।

12.5 इलेक्ट्रानिक भुगतान पद्धति

बैंक की सभी शाखाएं आरटीजीएस और एनईएफटी के लिए अंतर-बैंक प्रेषण की सुविधा दे रही हैं जो आईडीआरबीटी द्वारा नियंत्रित एसएफएमएस के सुरक्षित चैनल का प्रयोग करती है। बैंक के इंटरनेट बैंकिंग के ग्राहकों को, अंतर-बैंक प्रेषण के लिए एनईएफटी की ऑनलाइन सुविधा का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया जाता है।

उपर्युक्त इलेक्ट्रानिक भुगतान पद्धति द्वारा संव्यवहार में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर कई गुणा वृद्धि हुई अर्थात् आरटीजीएस के जरिए मार्च, 2008 के दौरान किए गए 8824 संव्यवहारों की तुलना में मार्च, 2009 में 45,700 लेनदेन किए गए और एफईएफटी के जरिए मार्च, 2008 में किए गए 3300 लेनदेनों की तुलना में मार्च, 2009 में 11000 लेनदेन किए गए।

बैंक ने इस वित्तीय वर्ष के दौरान एसएमएस बैंकिंग भी शुरू की और बड़ी संख्या में ग्राहक इसका उपयोग कर रहे हैं। मार्च 2009 की स्थिति के अनुसार, 1.5 लाख ग्राहक इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं और प्रतिमाह 30 लाख से अधिक एसएमएस भेजे जा रहे हैं।

in case of major problem at PDC, complete data of CBS can be made available at DRS within the shortest possible time.

12.3 ATMs

During the financial year, Bank deployed 104 additional ATMs including 14 ATMs deployed at Metro Stations in Delhi and 6 Mobile ATMs deployed at Sriganganagar, Ahmedabad, Delhi, New Delhi, Dehradun and Jalandhar. Two Biometric ATMs, one each under Dehradun and Chennai regions have been made operational. Thus, as on March 2009, Bank's ATM network stands at 845 ATMs, which includes 576 Onsite ATMs, 263 Offsite and 6 mobile ATMs. However, with MITR, NFS and VISA connectivity, the ATM cards of the Bank are accepted across more than 34000 ATMs deployed in the country. Approximately 53% of eligible cash transactions are happening through the ATMs for the Bank as a whole. In order to issue ATM card to the customers immediately at the time of opening accounts, the 'Welcome Kit' system has been implemented during the year through which ATM Card, ATM PIN and Internet Banking facility is made available to the customers immediately at the time of opening of account. To ensure continuity in ATM operations during the year under reference, the DR setup for ATM Switch has been made operational at DR Site, New Delhi.

12.4 Internet Banking

During the year under reference, Bank upgraded the version of Retail Internet Banking thereby providing additional facilities of Online NEFT and RTGS, e-Commerce, Online Trading of shares etc. Within this year, Bank's Internet Banking for Retail customers has seen 79% increase in daily hits. During the financial year, 44000 new customers have been registered for Internet Banking, taking the total base to 1.98 lacs. e-Tax facility has also been provided to the customers to deposit Direct Taxes, online through Net Banking.

12.5 Electronic Payment System

All the branches of the Bank offer Inter-Bank remittances through RTGS and NEFT which uses secured channel of SFMS managed by IDRBT. Internet Banking subscribers of Bank are encouraged to use online facility of NEFT for inter-bank remittances.

The above Electronic Payment System has witnessed many fold increase in transactions on y-o-y basis i.e. 45,700 transactions were done during March 2009 as compared to 8824 in March 2008 through RTGS and 11000 transactions were done during March 2009 as compared to 3300 in March 2008 through NEFT.

The Bank also launched SMS Banking during the financial year which is being widely used by large number of customers. As on March 2009, 1.5 lac customers are availing this facility with more than 30 lacs SMS messages being sent per month.

12.6 कारपोरेट वेबसाइट

बैंक ने अपनी कारपोरेट वेबसाइट को अधिक इंटर-एक्टिव व सूचनाप्रद बनाते हुए इसे पूरी तरह नवीकृत कर दिया। कारपोरेट छवि को ध्यान में रखते हुए इसकी रूपरेखा को परिष्कृत किया गया और साइट में एनएसई मार्किट ट्रैकर, एनएसई विदेषी मुद्रा ट्रैकर, बीएसई सूचकांक, एनएसई निफ्टी, एस एण्ड पी सी एन एक्स, क्रिकेट स्कोर इत्यादि जैसे मूल्य वर्धित इंटरफेस जोड़े गए। वेबसाइट को वेरीसाइन से एसएसएल इन्क्रिप्षन लागू करके सुरक्षित किया गया है।

बैंक ने ग्राहकों की षिकायतों के त्वरित निपटान के लिए अपनी कारपोरेट वेबसाइट पर ऑनलाइन ग्राहक षिकायत पद्धति भी शुरू की है। बैंक की कारपोरेट वेबसाइट के जरिए ग्राहकों को सुझाव देने व प्रष्न पूछने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

12.7 आई. टी. सुरक्षा

बैंक ने अपने मुख्य एवं गौण डाटा केन्द्रों पर अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरण और नियंत्रक उपस्कर स्थापित किए हैं। सुरक्षा कार्यों की 24x7x365 आधार पर निगरानी की जाती है। बैंक अपने डाटा केन्द्रों के लिए ISO 27001 मान्यता प्राप्त करने जा रहा है जो सूचना सुरक्षा प्रबंध पद्धति (ISMS) के लिए सर्वोच्च सुरक्षा मानक है।

षाखाओं से डाटा केन्द्रों में जाने वाले समस्त संव्यवहार/सूचनाएं राउटर स्तर पर आई पी सेक लागू करके और डाटा केन्द्रों पर वीपीएन कन्सन्ट्रेटर स्थापित कर सुरक्षित रखी जाती है।

बैंक के कारपोरेट वेबपोर्टल https://@obcindia.co.in और इंटरनेट बैंकिंग एप्लीकेषन https://@obconline.co.in अंतरराष्ट्रीय रूप से मान्यता प्राप्त वेरीसाइन एसएसएल प्रमाणन द्वारा सुरक्षित है जिससे बैंक की वेबसाइट के प्रयोगकर्ताओं के सुरक्षा प्रदान की गई है।

बैंक अपनी इंटरनेट बैंकिंग तथा कारपोरेट वेबसाइट के जरिए अपने ग्राहकों को किसी भी संभव फिषिंग और सामाजिक इंजीनियरिंग आक्रमण से सुरक्षा प्रदान करता है। बैंक के स्टाफ को भी षिक्षित किया गया है कि वे इस प्रकार के खतरों से ग्राहकों को अवगत कराएं। बैंक के सभी प्रषिक्षण केन्द्रों में आयोजित सभी प्रषिक्षण कार्यक्रमों में सूचना सुरक्षा पर अलग सत्र रखे जाते हैं।

12.8 वर्ष के दौरान उठाए गए नवोन्मेष कदम

- बैंक ने 350 शाखाओं, प्रादेषिक कार्यालयों और प्रधान कार्यालय में आई.पी. टेलीफोन स्थापित किए हैं जिससे कम लागत पर अंतर-बैंक संचार सुनिष्चित किया जा सके।
- इस वर्ष के दौरान बैंक ने मानव संसाधन प्रबंधन समाधान पैकेज के कार्यान्वयन का आदेष दिया।
- बैंक ने मिडिल ईस्ट के अनिवासी भारतीयों की निधियों के प्रभावी निधि प्रेषण के लिए ऑनलाइन विदेषी आवक प्रेषण शुरू किया।
- 1140 शाखाओं के सीबीएस अपनाने से पूर्व आंकड़ों को कम्प्यूटर प्लेटफार्म पर रखा गया है जिसे वेब आधारित एप्लीकेषन के जरिए डाटा केन्द्रों में उपलब्ध कराया गया है।

12.6 Corporate Website

Bank has totally revamped its Corporate Website by making it more interactive and informative. The look and feel has been enhanced keeping in view the corporate identity and value added interfaces like NSE Market Tracker, NSE Foreign Exchange Tracker, BSE Sensex, NSE Nifty, S&P CNX, Cricket Score etc. have been incorporated in the site. The website has also been secured by implementing SSL encryption from VeriSign.

Bank has also implemented Online Customer Complaint system on its corporate website for prompt disposal of complaints. Customers are also encouraged to give suggestions and raise queries through Bank's corporate website.

12.7 IT Security

Bank has put in place state of the art security equipments and monitoring tools at its Primary and Secondary Data Centres. The security events are monitored on 24x7x365 basis. Bank is also in the process of obtaining ISO 27001 accreditation for its Data Centres which is highest security standard for Information Security Management System (ISMS).

All the transactions / information flows from branches to Data Centres are secured by way of implementing IPSec at Router level and installing VPN Concentrator at Data Centres.

Bank's Corporate Web Portal https://obcindia.co.in and Internet Banking Application https://obconline.co.in are secured through internationally accepted VeriSign SSL certification, thereby bringing in security comfort for users of the Bank's websites.

Bank has also been guarding its customers through Internet Banking as well as Corporate website against any possible Phishing and social engineering attacks. Bank's staff has also been advised to educate customers on such kind of attacks. Separate session on Information Security is incorporated in all trainings held across all the Training Centres of the Bank.

12.8 New Initiatives taken during the Year

- Bank has implemented IP Telephones across 350 branches, Regional Offices and Head Office locations to improve the intra-Bank communication at reduced costs.
- Bank has placed order for implementation of HRMS package during the year.
- Bank has implemented online Foreign Inward Remittance facility to efficiently remit funds from NRIs from Middle East.
- Historical data of 1140 branches prior to their CBS migration has been put on computer platform which has been made available at the Data Centres through a web based application.

- शाखाओं के कार्यचालन में सुधार लाने के लिए, 17 शाखाओं में चेक जमा मशीनें और 6 स्थानों पर सिक्का-मशीनें (काइन-वेंडिंग मशीनें) लगाई गई हैं।
- सरकारी कारोबार, विषेषकर पेंषनभोगियों से, जुटाने के लिए बैंक ने सिविल व रक्षा पेंषन के कार्य के केन्द्रीकरण के लिए वेब पैकेज लिया है जिसे सेवा शाखा, दिल्ली में लगाया गया है।
- बठिण्डा, देहरादून, अमृतसर और सिंगमपुनरी के 319 गांवों में सूचना प्रौद्योगिकी युक्त वित्तीय समावेषन लागू किया गया है।
- अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग प्रभाग और राजकोषीय विभाग, प्रधान कार्यालय में एकीकृत राजकोष माड्यूल पूरी तरह लागू कर दिया गया है।

12.9 स्टाफ शिक्षा

बैंक ने अपने आई टी आधारित उत्पादों और सेवाओं पर विस्तृत जानकारी देने वाली सीडी बनाई है जिनका प्रयोग प्रादेषिक कार्यालयों और शाखाओं द्वारा ग्राहक बैठकों के दौरान प्रस्तुतीकरण हेतु किया जाता है। कई प्रादेषिक कार्यालयों में एमआईएस डाटा की शुद्धता और पूर्णता पर तथा ऋण, एनपीए इत्यादि जैसे उन्नत सीबीएस कारकों पर सेमिनार आयोजित किए गए।

आलोच्य वर्ष के दौरान, बैंक के सभी आई टी विषेषज्ञ अधिकारियों को, कारोबार बुद्धिमता, डाटा वेयरहाउसिंग सहित समसामयिक प्रौद्योगिकी का प्रषिक्षण दिया गया।

13. चुनौतियां

वैष्विक मंदी का प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर दिखाई दे रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था कठिन दौर से गुजर रही है क्योंकि अमेरिका, इंग्लैंड और यूरोपीय देषों जैसी विभिन्न विकसित अर्थव्यवस्थाओं में व्याप्त अषांति का इस पर अप्रत्यक्ष प्रभाव पड़ रहा है। अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्र जैसे भू-संपदा, वाहन, सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग व निर्यातोन्मुख कम्पनियों के लाभ कम हुए है जिससे उनके मार्जिन सिकुड़ गए हैं, कर्मचारियों की छंटनी हुई। आटोमोबाइल्स, वाणिज्यिक वाहनों, इस्पात, वस्त्र उद्योग, पेट्रोकेमिकल्स, विनिर्माण, भू-संपदा, वित्त, रिटेल क्रियाकलाप तथा कई अन्य क्षेत्रों के उत्पादन में भारी गिरावट आने की सूचनाएं प्राप्त हुई हैं। इन सब से बैंकिंग क्षेत्र के कार्यों पर दबाव पड़ रहा है। बैंकिंग उद्योग में एनपीए का स्तर बढ़ने के संकेत नजर आ रहे हैं। विभिन्न क्षेत्रों में ऋण मूल्यांकन में कमी आने से बैंकों की आस्ति-गुणवत्ता में भी कमी आ रही है। मांग जमाराषियों के निम्न स्तर के कारण निवल ब्याज मार्जिन (एनआईएम) भी दबावग्रस्त हैं। ब्याज दरें कम हो रही हैं और निकट भविष्य में इस चुनौतीपूर्ण दौर का सामना करने के लिए स्प्रैड-प्रबंधन एक महत्वपूर्ण कारक होगा।

14. अवसर

मार्च, 2009 के अंत में, बैंक ने 1,67,000 करोड़ रु. के कुल कारोबार का स्तर पार कर लिया और मार्च, 2010 तक 2,00,000 करोड़ रु. का एक और महत्वपूर्ण स्तर पार करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। 1401 शाखाओं और 66 विस्तार पटलों के साथ बैंक का नेटवर्क पूरे भारत वर्ष में व्यापक है। बैंक के एटीएम की संख्या 845 है जिनमें 576 ऑन-लाइन, 263 ऑफसाइट और

- As a next step forward to improve the functioning of the branches, Cheque Deposit Machines have been installed at 17 branches and Coin Vending Machines have been installed at six locations.
- In order to tap the Government business specially the pensioners, Bank has procured web package for the Centralized handling of Civil and Defense Pension which is implemented at Service Branch, Delhi.
- IT enabled Financial Inclusion has been implemented across Bhatinda, Dehradun, Amritsar and Singampuneri covering 319 villages.
- The Integrated Treasury Module has been made fully operational at IBD and Treasury Department, Head Office.

12.9 Staff Education

Bank has prepared comprehensive CD containing information on IT Based products and services of the Bank which is being used by Regional Offices and branches for making presentations during the Customers' Meet. Seminars were organized at large number of Regional Offices on correction and completion of MIS data and also for handling of the advanced CBS features such as Loans, NPAs, etc.

All IT Specialist Officials of the Bank were exposed to contemporary technologies including Business Intelligence, Data Warehousing during the year under reference.

13. THREATS

The global recession is taking its toll on the Indian economy. India economy is going through tough times as the turmoil in various developed economies like US, UK & European countries is having its indirect impact on it. Various sectors of the economy such as real estate, automobile, IT industry & export-oriented firms are facing dips in their profits, job cuts, thinning of margins. There are reports of significant declines in output of automobiles, commercial vehicles, steel, textiles, petrochemicals, construction, real estate, finance, retail activity and many other sectors. All this is putting pressure on the operations in the banking sector. The level of NPAs in the banking industry is showing signs of moving up. The asset quality of the banks is deteriorating as the credit ratings in various sectors are being degraded. The NIM is also under pressure due to low level of demand deposits. Interest rates are showing declining trend and spread management is going to be crucial factor in near future in order to overcome the challenging period.

14. OPPORTUNITIES

As at end-March 2009, the bank has crossed a total business of Rs.1,67,000 crore and has set a target of crossing another milestone of Rs.2,00,000 crore by March 2010. The bank has pan-India presence with 1401 branches & 66 extension counters. The number of ATMs stands at 845 consisting of 576 on-site, 263 off-site & 6 mobile ATMs. During the current year, Bank has

6 मोबाइल एटीएम हैं। चालू वर्ष के दौरान बैंक ने अपनी विदेष यात्रा का शुभारंभ करते हुए दुबई में अपना प्रतिनिधि कार्यालय खोला। बैंक की योजना मार्च, 2010 तक 1500 शाखाओं का नेटवर्क बनाने की है। 'केनरा एचएसबीसी ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स जीवन बीमा कंपनी लि0' नामक संयुक्त उपक्रम कंपनी ने 16 जून, 2008 से कार्यारंभ कर दिया है और यह उपक्रम, बैंक की अन्य आय बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा। बैंक ने 31.03.2009 को बासेल II अनुरूपता प्राप्त कर ली है और 31.03.2009 को बासेल II मानदंडों के अंतर्गत इसकी सीआरएआर 12.98% रही। बैंक ने सीबीएस पैकेज का नया उन्नत वर्ज़न सफलतापूर्वक अपना लिया है जिसके परिणामतः कार्यकुषलता में वृद्धि हुई है। इंटरनेट बैंकिंग और एटीएम के उपयोग में भी वृद्धि हुई है और आरटीजीएस व एनईएफटी के जरिए अंतर-बैंक लेनदेन भी बढ़ रहे हैं। बैंक की वेबसाइट को पूर्णतया एक नया रूप दिया गया है और यह अधिक इंटर-एक्विट व सूचनाप्रद हो गई है। उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने हेतु तैयार होने के लिए नए कर्मचारियों की भर्ती और आंतरिक पदोन्नति प्रक्रिया समयबद्ध तरीके से की जा रही हैं।

15. दृष्टिकोण

विभिन्न आर्थिक एजेंसियों के अनुमानों के अनुसार, वर्तमान आर्थिक मंदी 2009 में भी जारी रहेगी। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि के पूर्ववर्ती अनुमानों में संषोधन किया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय वर्ष 2009-10 के लिए अपने वार्षिक नीति वक्तव्य में वित्तीय वर्ष 2009-10 के लिए 6% की वृद्धि होने का अनुमान लगाया है। किंतु भारतीय रिजर्व बैंक के व्यावसायिक पूर्वानुमानकर्ताओं के नवीनतम सर्वेक्षण के अनुसार, यह वृद्धि कम होकर 5.7% होने का अनुमान है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वित्तीय वर्ष 2009-10 के लिए केवल 5.25% की वृद्धि का पूर्वानुमान किया है। वित्तीय वर्ष 2009-10 के लिए थोक मूल्य सूचकांक (WPI) मुद्रा स्फीति लगभग 4-4.5% रहने की संभावना है और मुद्रा आपूर्ति लगभग 17.5% रहने की आषा है। वर्ष 2009-10 हेतु जमाराषियां व अग्रिम क्रमषः लगभग 18% व 20% रहने का पूर्वानुमान है। भारत के बैंकों को ऋण वितरण के संबंध में सावधान रहने और चयनात्मक होने की आवष्यकता है तथा उधारकर्ताओं की वित्तीय स्थिति का सम्यक् विष्लेषण करने पर अधिक जोर दिए जाने की आवश्यकता है।

put its first foot forward on foreign journey by opening of its representative office in Dubai. By March 2010, the Bank plans to have a branch network of 1500 branches. The joint venture company 'Canara HSBC Oriental Bank of Commerce Life Insurance Company Ltd' has started its operation from June 16, 2008 and this venture is going to be a booster dose for increasing the other income of the Bank. The bank has become Basel II compliant as on 31.03.09 and its CRAR as on 31.03.09 stands at 12.98% under Basel II norms. The bank has successfully upgraded to new version of CBS package resulting into better functionality. The usage of Internet banking and ATMs is also showing signs of improvement and numbers of inter-bank transactions through RTGS & NEFT are also increasing. Website of the Bank has been totally revamped & it has become more interactive and informative. Process of new recruitments and internal promotions is being undertaken in a time-bound manner in order to get ready for taking benefit of the opportunities available.

15. OUTLOOK

As per projections by various economic agencies, the current economic slow down is going to continue in 2009 as well. The earlier projections of GDP growth have been revised. RBI has projected a growth of 6% for FY 2009-10 in its Annual Policy Statement for FY 2009-10. But, as per the latest survey of professional forecasters of RBI, this growth projection has been scaled down to 5.7%. The IMF has predicted a growth of 5.25% only for FY 2009-10. WPI inflation for FY 2009-10% is likely to be around 4-4.5% and Money Supply is expected to be around 17.5%. Deposits & Advances are projected to be around 18% & 20% respectively, for the year 2009-10. Banks in India need to be careful and selective with respect to credit disbursal and focus needs to be enhanced on analyzing borrowers financial health thoroughly.